

13. 11. sv. Jána Zlatoústeho

Μνήμη τού εν Αγίοις Πατρός ημών Ιωάννου,
Αρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τού Χρυσοστόμου.

Ἦμε κο βασιτίχῃ Ὁῦλᾶ ἡάσιεγω ἰωάννη,
ἀρχιεπίσκοπα κωνεταντινῆα γράδα, ζλαποδισταγω.

-
- a) *Doxastikon 4. hlasu na Hóspodi vozzvách* malej večierne
b) *Stichira 4. hlasu na litii* veľkej večierne
c) *Doxastikon 4. hlasu na litii* veľkej večierne

- Nápev podľa kriukových prameňov z 15.-17. storočia
- Preklad do kyjevskej notácie v duchu ruténskej tradície
- Aplikácia na súčasný csl. text

Umiestnenie týchto stichír v 15.-17. storočí v ruských rukopisoch bolo odlišné. Všetky tri stichiry boli umiestnené na litii, pričom stichira a) bola doxastikom litie. Stichira b) sa v 15. storočí uvádza ako dodatočná k litijnej sérii, kým v 16. storočí vystupuje tiež ako doxastikon na Chválach utierne. Stichiry b) a c) sú vo vzťahu *automelos – prosomoion*.

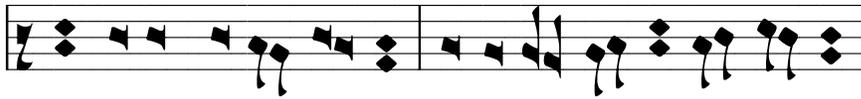
Pramene

S440, 410, 411, 414, 441

a) *Doxastikon 4. hlasu* na *Hospodi vozzvách* malej večierne

Δόξα... Ἦχος δ' /// ΓΛΑΒΑ, ΓΛΑΕΖ Δ:

Γέγονας Χρυσόστομε, 7
θεόπνευστον ὄργανον, 7
 δι' οὐ ἡμῖν 4 τό Πνεύμα τό Ἅγιον ε-φώνησε, 11
τή ευσήμω γάρ βοή, 7 δι-έδραμε τά πέρατα, 8
 ο φθόγγος τῆς διδασκαλίας σου, 10
 καί μι-μητῆς γε-νόμενος 8
 τῶν Αποστόλων Ὄσιε, 8
τόν χώρον κατέλαβες ἐκείνον, 10 ὄν ἐπόθησας, 5
 Πρέσβευε τῷ Κυρίῳ, 7 Παμμακάριστε, 5
 ειρηγεύσαι τόν κόσμον, 7 καί σώσαι τάς ψυχάς ἡμῶν. 8



БЫ́ЛЪ ѿ-сѣ, ЗА-МЪ-СЪ-ТЕ, БО-ГО-ДОУ-НО-ВѢН-НЫИ ОУ-ГАНЪ,



ЧРЕЗЪ ѿ-ГО- - ЖЕ НАМЪ ДЪХЪ СВА-ТЪИИ ПРО-ВОЗ-ГЛА-СѢ:



БЛАГОЗНАМЕНІТЪИМЪ БО ГЛА-ГОМЪ ПРО- - ТЕ- - ЧЕ КОН-ЦЫ



ВЪ-ЩА-НІЕ ОУ-ЧЕ- - НИИ ТВО- - НУХЪ:



И ПОД-РА-ЖА-ТЕЛЪ БЫВЪ А- - ПО-СТО-ЛЪМЪ, ПРЕ-ПО- - ДОБ-НЕ,



ЛІКЪ ПО-СЪТІ-ЖЕ ОУ- - НЫИ, ѿ-ГЪ-ЖЕ ВОЖ-ДЕ- - ЛЪБЪ ѿ- - СѢ.



МО- - ЛІ- - - - СѢ ГО-СПО-ДОУ, ВЕЕ- - БЛА- - ЖЕН- - НЕ,



ОУ-МН-РІ-ТИ МІРЪ И СПАС-ТИ ДЪ- - ШЫ НА- - ШѢ.

b) Stichira 4. hlasu na litii vel'kej večierne

Ἦχος δ' /// Γλάζ δ.

Ρήμασι χρυσαυγεστάτοις τά πέ- -ρατα 12
(Ιωάννε) σαφώς κατήρδευσας, 6
χρυσόρρυτον έχων τήν τε ψυχὴν 10
καί τό σῶμα πανόλ-βι- -ε, 8

καί πάντα 3 διαχρυσώσας τοίς λόγοις σου, 11
χρυσουργέ ὦν δογμάτων σου, 8
καί βίβλους συγγραψάμενος 8 χρυσογραφικάς, 5
ἀνέπτυς εἰς ουρανοῦς, 7

Διό βοώμέν σοι, 6 Χρυσόρροα καί Χρυσόστομε, 9
Χριστόν τόν Θεόν ἰ- κέ-τε-υε, 9
τού σωθῆναι τάς ψυχάς ημῶν. 9

c) Doxastikon 4. hlasu na litii vel'kej večierne

Δοξα, Γερμανού /// Γλάζα, Γέρμανοβο

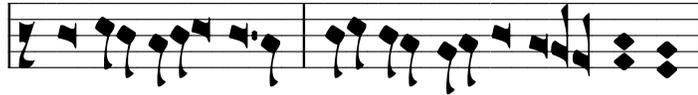
Ἐπρεπε τή βασιλίδι τῶν πόλεων, 12
Ιωάννην αυχεῖν Ἀρχιερέα, 11
ὥσπερ τινά κόσμον βασιλικόν, 10
καί χρυσήλατον σάλπιγγα, 8

πάντα 2 περιηχούσαν τά πέρατα, 11
τά σωτήρια δόγματα, 8
καί πάντας συναγείρουσαν, 8 πρὸς συνασπισμόν 5
ασμάτων θεοπρεπῶν, 7

πρὸς ὄν βοήσωμεν, 6 Χρυσολόγε καί Χρυσόστομε, 9
Χριστόν τόν Θεόν ἰκέτευε, 9
τού σωθῆναι τάς ψυχάς ημῶν. 9



ГЛА-ГВ-ЛЫ ЗЛА-ТО-ЗАР-НѢЙ-ШИ-МИ ЗЕМ-ЛЮ



І-У-АН-НЕ, ІА-ВѢ НА-ПО-ІА^х ѿ-СН,



ЗЛА-ТО-ТО-ЧН-ВѢ І-МѢ-А ДѢ-ШЕ ЖЕ



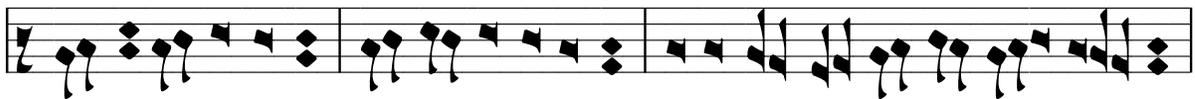
І ТѢ-ЛО, ВСЕ-БЛ-ЖЕН-НЕ:



ВСА ПО-ЗЛА-ТНѢ^х ІО-ВѢ-СЫ ТВО-І-МИ,



ЗЛА-ТО-ДѢ-ЛА-ТЕ-ЛЮ ДОГ-МА-ТѢ^х ТВО-ІХЪ,



І КНІ-ГИ НА-ПИСА^х ЗЛА-ТО-ПІ-СА^хНЫ-А, ВОЗЛЕ-ТѢ^х ѿ-СН НА НЕ-БЕ-СА.



ТѢ^х ВО-ПІ-ЕМ^х ТИ: ЗЛА-ТО-ТО-ЧН-ВѢ І ЗЛА-ТО-ДЕ-ТЕ,



ХРІ-СТА БО-ГА МО-ЛН, СПА-СТИ ДѢ-ШЫ ІА-ША.



По-до-бá-ше цáр-ствѣ-ющѣмъ градѣмъ,



и-во-ан-на и-мѣ-ти ар-хі-е-рѣ-а,



ѡ-ко-же и-кѣ-ю о-уб-ав-а цáр-ск-ю



и-зла-то-ко-вѣ-н-ю трѣ-бъ,



всѣ-мъ гла-шá-ю-щѣ-мъ кон-цѣ-



спа-сѣ-тель-ны-ми до-г-мá-ты:



и-всѣ-мъ со-во-звѣ-ж-и-ю къ-рѣ-в-но-сти пѣ-н-ій бо-го-лѣ-п-ныхъ.



къ-не-м-же-во-зо-пѣ-н-и-мъ: зла-то-сло-ве-и-зла-то-дѣ-те,



хрѣ-ста бо-га мо-ли, спа-сѣ-и-дѣ-ш-ы на-ша.